

12/6

24/11/14

नमस्कार
 वास्तविक जमीन न तो वाक्ये हाजिर भाव
 तथा न ही वाक्ये का संकरीता
 हाजिर वास्तविक सुनना के

कोई टाजिर नहीं आया मल
वाप वापि इतक टाजिर मल
वरवी न खायेज किया जाता है
पञ्चाली के मल सुकर है।

सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक)
दौतारामगढ़ (सीकर)